राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

नई दिल्ली। बुधवार • 20 अक्टूबर • 2021 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

सीबीएसई परीक्षा के नए फॉर्मेट का किया स्वागत

नई दिल्ली (एसएनबी)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 10वीं और 12वीं कक्षाओं के पहले टर्म की बोर्ड परीक्षा के लिए तय किए गए नए स्वरूप का स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने स्वागत किया है और उनका मानना है कि इससे विद्यार्थियों में विवेचनात्मक सोच विकसित करने में मदद मिलेगी।

सीबीएसई द्वारा घोषित परीक्षा के नए स्वरूप में एक प्रश्नपत्र हल करने के लिए 90 मिनट का समय होगा और सभी प्रश्न वैकल्पिक एवं वस्तुनिष्ठ होंगे। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर सीबीएसई ने जुलाई में घोषणा की थी कि सत्र 2021-22 से वह 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए विशेष मूल्यांकन योजना लागू कर रही है और इसके तहत सत्र को दो टर्म में बांटा जाएगा। पहले टर्म में मुख्य विषयों की परीक्षा 30 नवम्बर से होगी वहीं अन्य विषयों की परीक्षा का कार्यक्रम स्कूलों को अलग से भेजा जाएगा। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य रुमा पाठक ने कहा कि सीबीएसई के नए परीक्षा के पैटर्न से छात्रों को राहत मिलेगी। साथ ही आधा सिलेबस पहले टर्म में बाकी आधा दूसरे टर्म में होगा। परीक्षा का समय कम होने और ऑब्जेक्टिव टाईप होने से भी परीक्षा में छात्रों का दबाव कम रहेगा। एसडी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य अनिता शर्मा ने सीबीएसई के नए परीक्षा प्रारूप का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों पर परीक्षा का बोझ कम होगा। पहले टर्म में वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र कुछ छात्रों के लिए मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसमें कांसेप्ट अगर स्पष्ट होगा तो फायदा होगा।

परीक्षा समय में कमी, वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर आधारित होंगे प्रश्नपत्र

आधा सिलेबस पहले टर्म में बाकी आधा दूसरे टर्म में होगा